चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

1 से 15 जून, 2024 तक कपास की खेती के लिए सुझाव

सस्य क्रियाएँ

- जून माह में कपास की बिजाई ना करें। यदि आपको कपास की बिजाई किये हुए एक महीने से ऊपर यानी 40 – 45 दिन हो गए हैं और आपको ऐसा लगता है कि पानी की आवश्यकता है तो उसमें सिंचाई करें अन्यथा अभी सिंचाई के लिए रुके।
- रेतीली मिट्टी में भी फव्वारा विधि से 4 से 5 दिन में ही पानी लगाएं रोज फव्वारे ना चलाएं।
- टपका विधि के द्वारा भी पानी 3–4 दिन में ही लगाएं ।
- कपास की फसल में निराई गुड़ाई अवश्य करें अभी यूरिया खाद ना डालें।
- मानसून की बरसात के बाद ही यूरिया का एक बैग प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें।

रोग प्रबंधन

- जड़ गलन रोग से प्रभावित पौधों के आसपास के स्वस्थ पौधों में कार्बेंडाजिम (2 ग्राम प्रति लीटर का घोल) बनाकर 400 से 500 मिलीलीटर जड़ों में डालें।
- बीमारी से सूखे हुए पौधों को उखाड़ दे ताकि बीमारी को आगे बढ़ने से रोका जा सके।
- फसल की लगातार निगरानी रखनी चाहिए व् पती मरोड़ रोग से ग्रस्त पौधों को उखाड़ कर दबा देना चाहिए।

कीट प्रबंधन

- जिन किसान भाइयों की नरमा की फसल के आसपास पिछले साल की नरमा की बनछटिया रखी हुई हैं या उनके खेतों के आसपास कपास की जिनिंग व बिनौलों से तेल निकालने वाली मिल लगती है, उन किसानों को अपने खेतों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि इन खेतों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप पहले भी एवं अधिक होता है।
- गुलाबी सुण्डी अदखिले टिंडों में नरमे के दो बीजों (बिनौले) को जोड़कर 'भंडारित लकड़ियों' में निवास करती है, इसलिए बनछटिया का प्रबंधन नरमा की फसल में बौकी / डोडी निकलने से पहले ही करें। नरमा की बनछटिया से टिंडे एवं पत्तें झाड़कर नष्ट कर दें ।
- गुलाबी सुंडी के प्रकोप की निगरानी अपने खेतों में लगी फसल के 40 – 45 दिनों की होने पर लगातार करें । इसके लिए फसल की बिजाई के 35 से 40 दिन के पश्चात् गुलाबी सुंडी के 2 फेरोमोन ट्रैप प्रति एकड़ लगाएं तथा इनमे फसने वाले गुलाबी सुंडी के पतंगों को 3 दिनों के अंतराल पर गिनती करें ।
- जून से मध्य अगस्त तक यदि इनमें कुल 12–15 पतंगे प्रति ट्रैप तीन दिन में आते हैं तथा फसल में बौकी / डोडी आ गयी हैं तो कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता हैं । इसके लिए पहला छिड़काव नीम आधारित कीटनाशक की 5 मि.ली. मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से करें ।
- अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक बोई गई नरमा में फूल लगने शुरू हो गए हैं इन फूलों में गुलाबी सुंडी की निगरानी अवश्य करें।

- फसल की शुरुआती अवस्था में गुलाबी सुण्डी से प्रभावित नीचे गिरें बौकी / डोडी व पौधों पर लगे रोजेटी फूल (गुलाबनुमा फूल) आदि को एकत्रित कर नष्ट करें।
- कपास की शुरुआती अवस्था में ज्यादा जहरीले कीटनाशको का प्रयोग ना करे ऐसा करने से मित्र कीटों की संख्या कम हो जाती है।

इसके अतिरिक्त कोई भी संशय होने पर निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें

8002398139 7015105638 9812700110 9416530089 9041126105 9992911570 8901047834

कपास अनुभाग

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्विद्यालय हिसार